



4

---

---

---

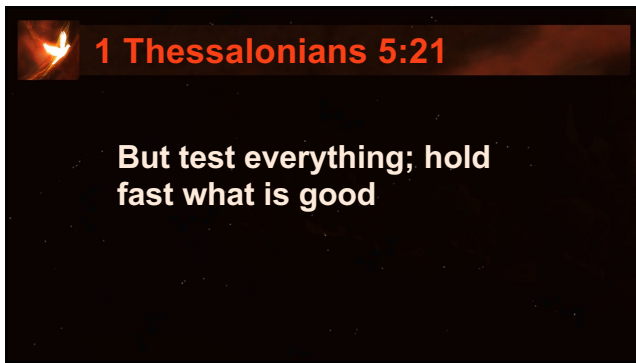
---

---

---

---

---



5

---

---

---

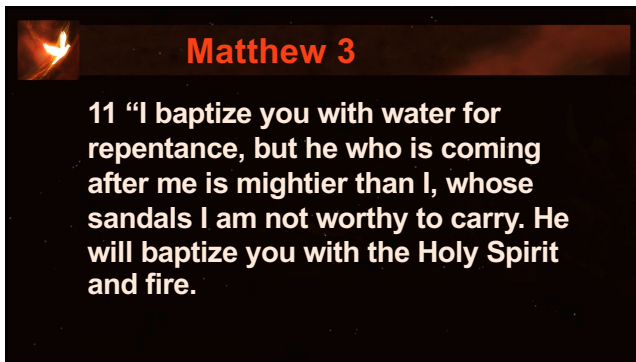
---

---

---

---

---



6

---

---

---


---

---

---

---

---



**Matthew 3**

12 His winnowing fork is in his hand, and he will clear his threshing floor and gather his wheat into the barn, but the chaff he will burn with unquenchable fire.”

7

---

---

---


---

---

---

---

---



**Wheat and Chaff Metaphor**

Terms	Meaning
Wheat	Cereal grain used for food (God)
Chaff	An indispensable yet indigestible part of healthy wheat (Man)
Weeds (Tares)	Evil in the world (Devil) Matt 13 Parable of Wheat and Weeds

8

---

---

---


---

---

---

---

---



**Separate the wheat from the chaff to discern others**

9

---

---

---


---

---

---

---

---



**1. If you want wheat, then expect chaff**

10

---

---

---

---

---

---

---

---



**Examples of Potential Chaff**

1. Perspective
2. Personality
3. Preferences
4. Opinions
5. Speculations
6. Culture - Heritage

11

---

---

---


---

---

---

---

---



**Romans 14**

As for the one who is weak in faith, welcome him, but not to quarrel over opinions. 2 One person believes he may eat anything, while the weak person eats only vegetables.

12

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Romans 14**

**3 Let not the one who eats despise the one who abstains, and let not the one who abstains pass judgment on the one who eats, for God has welcomed him.**

13

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Romans 14**

**4 Who are you to pass judgment on the servant of another? It is before his own master that he stands or falls. And he will be upheld, for the Lord is able to make him stand.**

14

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Matthew 10**

**40 “Whoever receives you receives me, and whoever receives me receives him who sent me.**

15

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Matthew 10**

41 The one who receives a prophet because he is a prophet will receive a prophet's reward, and the one who receives a righteous person because he is a

16

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Matthew 10**

41...righteous person will receive a righteous person's reward. 42 And whoever gives one of these little ones even a cup of cold water because he is

17

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Matthew 10**

42 ...a disciple, truly, I say to you, he will by no means lose his reward."

18

---

---

---


---

---

---

---

---



### Discerning Others

1. If you want wheat, then expect chaff
2. Circumstances crush, we lift to the wind of the Spirit

19

---

---

---

---

---

---

---

---



### Tools of Separation

Terms	Meaning
Sledge	Crushes wheat into pieces
Winnow Fork	Winnowing lifts wheat in the air so heavy wheat falls in pile, lighter chaff blows away
Wind	Force that propels chaff away from wheat
Fire	Chaff is fuel for the fire

20

---

---

---


---

---

---

---

---



### Romans 15

1We who are strong have an obligation to bear with the failings of the weak, and not to please ourselves. 2Let each of us please his neighbor for his good, to build him up.

21

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Romans 15**

3For Christ did not please himself, but as it is written, "The reproaches of those who reproached you fell on me." ... 7Therefore welcome one another as Christ has welcomed you, for the glory of God.

22

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Discerning Others**

1. If you want wheat, then expect chaff
2. Circumstances crush, we lift to the wind of the Spirit
3. Weed is an intoxicating drug

23

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Matthew 13**

24 He put another parable before them, saying, "The kingdom of heaven may be compared to a man who sowed good seed in his field, 25 but while his men were sleeping, his enemy came and sowed weeds among the wheat and went away.

24

---

---

---


---

---

---

---

---



**Matthew 13**

26 So when the plants came up and bore grain, then the weeds appeared also. 27 And the servants of the master of the house came and said to him, 'Master, did you not sow good seed in your field? How then does it have weeds?'

25

---

---

---


---

---

---

---

---



**Matthew 13**

28 He said to them, 'An enemy has done this.' So the servants said to him, 'Then do you want us to go and gather them?' 29 But he said, 'No, lest in gathering the weeds you root up the wheat along with them.'

26

---

---

---


---

---

---

---

---



**Matthew 13**

30 Let both grow together until the harvest, and at harvest time I will tell the reapers, "Gather the weeds first and bind them in bundles to be burned, but gather the wheat into my barn.""

27

---

---

---

---


---

---

---

---



 **Darnel**

“For as long as humans have cultivated cereal grains, wheat’s evil twin has inserted itself into our crops. In a big enough dose, this grass, darnel, can kill a person, and farmers would have to take care to

28

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Darnel**

separate it out from their true harvest—unless they were planning to add darnel to beer or bread on purpose, in order to get high.

29

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Darnel**

Darnel is a “mimic weed,” neither entirely tame or quite wild, that looks and behaves so much like wheat that it can’t live without human assistance. Darnel seeds are stowaways: the plant’s survival strategy requires its

30

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Darnel**

seeds to be harvested along with those of domesticated grasses, stored and replanted next season.”

Atlas Obscura

31

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Darnel as Metaphor**

“Where there is darnel, there is treachery and toxicity,”

-Journal of Ethnobiology

32

---

---

---


---

---

---

---

---

 **Colossians 3:15 AMP**

And let the peace (soul harmony which comes) from Christ rule (act as umpire continually) in your hearts [deciding and settling with finality all questions that arise in your minds, in that peaceful state] to which as

33

---

---

---


---

---

---

---

---



**Colossians 3:15 AMP**

[members of Christ's] one body  
you were also called [to live].  
And be thankful (appreciative),  
[giving praise to God always].

34

---

---

---

---

---

---

---

---



*Discerning*  
*Knowing good from evil*

35

---

---

---

---

---

---

---

---